NCERT SOLUTIONS

CLASS - 9th

aglasem.com

Class : 9th
Subject : हिंदी
Chapter : 3
Chapter Name : कल्लू कुम्हार की उनाकोटी

Q1 'उनाकोटी ' का अर्थ स्पष्ट करते हुए बतलाएँ कि यह स्थान इस नाम से क्यों प्रसिद्ध है ?
Answer.
उनाकोटी का अर्थ है एक करोड़ से एक कम। उनाकोटी त्रिपुरा में एक जगह का नाम है। इसके बारे में एक कथा प्रसिद्ध है कि एक कुम्हार था जिसका नाम कल्लू था। उसने शिवजी की भक्ति की और शिव जी को प्रसन्न कर लिया। उसने भगवान से प्रार्थना की वे उसे कैलाश अपने साथ ले जायें। शिवजी उसे ले जाना नहीं चाहते थे इसलिए भगवान शिव ने अपने साथ ले जाने से बचने के लिए शर्त रखी कि यदि वह एक रात में भगवान शिव की एक करोड़ मूर्तियां बना देगा तो वह उसे अपने साथ कैलाश पर्वत पर रहने की अनुमति प्रदान कर देंगे। कल्लू कुम्हार ने मूर्तियां बनाना शुरू कर दीं किंतु जब सुबह हुई तो सारी मूर्तियॉ बन चुकी थी, गिनने पर एक मूर्ति कम निकली और शर्त के अनुसार कल्लू कुम्हार वहीं रह गया और इस तरह उस जगह का नाम उनाकोटी पड़ गया।

Page : 26 , Block Name : बोध-प्रश्न

Q2 पाठ के संदर्भ में उनाकोटी में स्थित गंगावतरण की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।
Answer.
पौराणिक कथा के अनुसार एक ऋषि हुए जिनका नाम भागीरथ था। उन्होने ने कठोर तपस्या की और गंगा माँ को धरती पर आने की प्रार्थना की। गंगा माँ ने कहा अगर मैं पूरे वेग से धरती पर आती हूँ तो धरती धंस जाएगी और मैं पाताल लोक में चली जाऊँगी। गंगा के इस वेग को रोकने के लिए भगवान शिव तैयार हो गये और गंगा के वेग को अपनी जटाओं में रोक कर कम कर दिया और धीरे-धीरे गंगा को पृथ्वी पर उतारा। वहाँ का प्राकृतिक सुंदरता ऐसी हैं कि ऊँचे-ऊँचे पहाड़ और उन पर से गिरते हुए झरने जिन्हें देखकर ऐसा लगता है कि भगवान शिव की जटाओं से साक्षात गंगा उतर रही हो।

Page : 26 , Block Name : बोध-प्रश्न

Q3 कल्लू कुम्हार का नाम उनाकोटी से किस प्रकार जुड़ गया ?
Answer.
कल्लू कुम्हार ने भगवान शिव की बहुत तपस्या की वह उनके साथ कैलाश पर्वत पर जाना चाहता था। परन्तु भगवान शिव की शर्त के अनुसार उसे एक करोड़ मूर्तियॉ बनानी थीं। कल्लू कुम्हार ने कैलाश पर्वत पर जाने के लिए सारी रात मूर्तियां बनाई। जब सुबह मूर्तियां गिनी तो एक मूर्ति एक करोड़ से कम निकली। भगवान शिव की शर्त पूरी नहीं हुई वे उसे छोड़कर कैलाश पर्वत पर चले गये। इस तरह कल्लू कुम्हार का नाम उनाकोटी से जुड़ गया ।

Page : 26 , Block Name : बोध-प्रश्न

Q4 'मेरी रीढ़ में झुरझुरी -सी दौड़ गई'- लेखक के इस कथन के पीछे कौन सी घटना जुड़ी हुई है ?
Answer.
त्रिपुरा में जब लेखक शूंटिग कर रहा था। तब वहाँ एक सी. आर. पी. एफ. के जवान ने आकर बताया कि निचली पहाड़ियों पर जो दो पत्थर पड़े हैं यहीं पर दो दिन पहले विद्रोहियों ने एक जवान को मार डाला था, इतना सुनकर लेखक का शरीर कांप गया और लेखक की रीढ़ में एक झुरझुरी - सी दौड़ गई।

Page : 26 , Block Name : बोध-प्रश्न

Q5 त्रिपुरा ' बहुधार्मिक समाज' का उदाहरण कैसे बना ?
Answer.
त्रिपुरा तीन तरफ से बांग्ला देश से घिरा हुआ है और यहाँ पर लोगों का अवैध आना है। शेष भारत के साथ इसका दुर्गम जुड़ाव मिज़ोरम और असम के द्वारा बनता है और अगरतला भी सीमा चौकी से महज दो किलोमीटर पर है। कुल मिलाकर त्रिपुरा में लगातार बाहरी लोगों के आने से यह राज्य बहु धार्मिक समाज का उदाहरण बन गया है। यहाँ उन्नीस अनुसूचित जनजातियाँ और विश्व के चार बड़े धर्मों का प्रभाव है। बौद्ध धर्म को भी यहाँ मान्यता है। अगरतला में एक सुंदर बौद्ध मंदिर है और त्रिपुरा के उन्नीस क़बीलों में से दो,' चकमा' और 'मयुमहायानी' बौद्ध है।

Page : 26 , Block Name : बोध-प्रश्न

Q6. टीलियामुरा कस्बे में लेखक का परिचय किन दो प्रमुख हस्तियों से हुआ ? समाज कल्याण के कार्यो में उनका क्या योगदान था?
Answer.
टीलियामुरा कस्बे में लेखक का परिचय मंजु ऋषिदास और हेमंत कुमार जमातिया से हुआ। मंजु एक समाज सेविका थी। वह देखने में एक साधारण सी गृहिणी थी जो पंचायत में अपने वार्ड का प्रतिनिधित्व करती थीं। उन्होंने समाज कल्याण के लिए बहुत से कार्य किये जैसे उन्होंने अपने वार्ड में नल लगवाये, नल का पानी घरों में पहुँचाया, गलियों में ईटें बिछाई। हेमंत कुमार एक लोक गायक था। जवानी के दिनों मे वे पीपुल्स लिबरेशन ऑर्गनाइजेशन के कार्यकर्ता थे। अब वे जिला परिषद के सदस्य बन कर देश की सेवा कर रहे थे।

Page : 26 , Block Name : बोध-प्रश्न

Q7 कैलाश नगर के जिलाधिकारी ने आलू की खेती के विषय में लेखक को क्या जानकारी दी ?
Answer.
जिलाधिकारी ने बताया कि यहाँ अच्छी किस्म के आलू की खेती की जाती है जिसे पड़ोसी राज्यों में भेजा जाता है। बुआई के लिए पारंपरिक आलू के बीज की जरूरत दो मीट्रिक टन प्रति हेक्टेयर होती है जबकि टी.पी.एस. की सिर्फ सौ ग्राम मात्रा एक हेक्टेयर के लिए पर्याप्त होती है। अब तो कैलाश नगर से टी.पी.एस. का निर्यात पड़ोसी राज्यों में जैसे - असम, मिज़ोरम, नागालैंड, और अरुणाचल प्रदेश को बल्कि बांग्लादेश, मलेशिया, और विएतनाम को भी किया जा रहा है।

Page : 26 , Block Name : बोध-प्रश्न

Q8 त्रिपुरा के घरेलू उद्योगों पर प्रकाश डालते हुए अपनी जानकारी के कुछ अन्य घरेलू उद्योगों के विषय में बताइए ।
Answer.
त्रिपुरा में बहुत से घरेलू उद्योग है- जैसे अगरबत्ती बनाना, बाँस के खिलौनें और गले में पहनने वाली मालाएँ बनाना आदि। त्रिपुरा से गुजरात और कर्नाटक में अगरबत्ती के लिए सींकों को तैयार करके भेजा जाता है। हमारे देश में कुछ घरेलू उद्योग भी हैं जैसे - चटाईयाँ बनाना, हाथ के पखें बनाना, खिलौना बनाना, मूर्गीपालनाउद्योग, साबुन बनाना, पापड़ बनाना और मिट्टी के बर्तन बनाना आदि।

Page : 26 , Block Name : बोध-प्रश्न

aglasem.com